



Literacy for a Billion

Movie: Aflatoon

Year: 1997

आएँ  
ये ख़बर छपवो दो  
अख़बार में  
पोस्टर लगवा दो  
बाज़ार में  
ये ख़बर छपवो दो  
अख़बार में  
पोस्टर लगवा दो  
बाज़ार में  
इक लड़का  
इक लड़की  
इक लड़का  
लड़की  
हाय हाय  
दोनों पागल  
हो गए  
प्यार में  
आएँ  
ये ख़बर छपवो दो  
अख़बार में  
पोस्टर लगवा दो  
बाज़ार में  
इक लड़का  
इक लड़की  
इक लड़का  
लड़की  
हाय हाय  
दोनों पागल  
हो गए

Song: Ye Khabar Chapwado Akhbaar

Lyricist: Anand Bakshi

प्यार में  
आएँ  
नींद नहीं आती  
आँखों में  
जबसे आँख लड़ी है  
हाय नींद नहीं आती  
आँखों में  
जबसे आँख लड़ी है  
मैं भी हूँ बेताब बड़ा  
तू भी बेचैन बड़ी है  
तेरे मेरे बीच ज़माने की  
दीवार खड़ी है  
आ दूँटें कोई खिड़की  
दरवाज़ा इस दीवार में  
आएँ  
ये ख़बर छपवो दो  
अख़बार में  
पोस्टर लगवा दो  
बाज़ार में  
आएँ  
हम दोनों हैं यार कँवारे  
निकली सौ बारातें  
हम दोनों हैं यार कँवारे  
निकली सौ बारातें  
दिल के अन्दर ही  
ना रह जाएँ  
ये दिल की बातें

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*



Literacy for a Billion

थोड़े से हैं प्यार के दिन  
थोड़ी सी प्यार की रातें  
यूँ ना हो  
मर जाएँ  
हम दोनों इंतज़ार में  
आएँ  
ये ख़बर छपवो दो  
अख़बार में  
पोस्टर लगवा दो  
बाज़ार में

प्यार के दुश्मन  
दुनिया वाले  
कर लें जो है करना  
प्यार के दुश्मन  
दुनिया वाले  
कर लें जो है करना  
चुपके चुपके थाम के दिल  
ठंडी आहें क्या भरना  
प्यार किया तो थोड़ी सी  
बदनामी से क्या डरना  
काँटें भी होते हैं  
यारा फूलों के हार में  
आएँ  
ये ख़बर छपवो दो  
अख़बार में  
पोस्टर लगवा दो

बाज़ार में  
इक लड़का  
इक लड़की  
इक लड़का  
लड़की  
हाय हाय  
दोनों पागल  
हो गए  
प्यार में  
आएँ  
ये ख़बर छपवो दो  
अख़बार में  
पोस्टर लगवा दो  
बाज़ार में  
इक लड़का  
इक लड़की  
इक लड़का  
लड़की  
हाय हाय  
दोनों पागल  
हो गए  
प्यार में  
आएँ  
टेक इट ईज़ी  
टेक इट ईज़ी

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*